राष्ट्रीय शिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) पर आयोजित की गई जागरूकता कार्यशाला: अपने हुनर को पहचानने और उसे निखारने की जरूरत: डीटी

धनबाद एक दिन पहले

राष्ट्रीय शिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) जागरूकता कार्यशाला में शामिल अतिथिगण।

सामुदायिक भवन, कोयलानगर में क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय, झारखंड की ओर से राष्ट्रीय शिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान बीसीसीएल के डीटी संजय कुमार सिंह ने कहा कि यह योजना ना केवल बेरोजगार युवाओं को कौशल निखारने का अवसर देता है, बल्कि उद्योगों को अपने लिए योग्य कार्यबल तैयार करने में भी मदद मिलती है। हुनर और मेहनत के साथ बढ़ने वाले कभी बेरोजगार नहीं होते, जरूरत अपने हुनर को पहचानने और उसे निखारने की है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षुता काफी मददगार साबित होगा।

आईएसडीएस के क्षेत्रीय निदेशक एनआर अरविंद ने अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के आधारों की महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसमें उन्होंने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों व विभागों के अधिकारियों को योजना के विभिन्न

प्रावधानों व मिलने वाले लाभों पर भी जागरूक किया। वहीं माइनिंग (एसएससी) के नवनीत कुमार ने शिक्षुता से जुड़े अवसर पर जागरूक करते हुए रोजगार और एसएससी की भूमिका से परिचित कराया। जबकि आईआईएम रांची के प्रोग्राम मैनेजर अविनाश ने कौशल पारिस्थितिकी तंत्र वैश्विक संदर्भ और बेंचमार्किंग की जानकारी दी।

एनएसडीसी के एसईओ सुधीर चौधरी ने स्किलिंग की स्टेटस और चुनौती पर चर्चा की। वहीं क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता निदेशालय के उप निदेशक पीके मंडावी ने शिक्षुता संविदा की महत्वपूर्ण पहलू पर चर्चा करते हुए इसके अंतर्गत आने वाले समस्याओं और समाधान की जानकारी दी। निदेशालय के सहायक निदेशक हिमांशु ने अप्रेंटिसशिप अधिनियम 1961 और अप्रेंटिसशिप पोर्टल की विशेषता बताई। नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम की भी चर्चा की। मौके पर एमजीएनएफ के शुभम कुमार, शामली कुमारी आदि मौजूद थीं।

Dainik Bhaskar_02.03.2023_Online